Regarding conservation of National Parks and Wildlife Sanctuaries in the country-Laid

डॉ. फग्गन सिंह कुलस्ते **(**मंडला**) :** प्राकृतिक आवास में वन्य जीवन की दुर्दशा खतरे में है । पूरे देश में सरकार द्वारा कई राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य बनाए गए हैं और उनका रखरखाव किया जा रहा है । सरकार द्वारा निर्धारित और लगाया गया बहुत सारा धन भी वांछित परिणाम नहीं दे रहा है जिसके लिए इन प्राकृतिक आवासों का निर्माण किया गया था । उनकी स्थिति में सुधार और पुनर्वास के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है । इन प्राकृतिक आवासों को बचाने के लिए अधिक धन आवंटित करने की तत्काल आवश्यकता है । वांछित परिणाम लाने के लिए मौजूदा प्रणाली/मशीनरी और योजनाओं में सुधार करने की भी आवश्यकता है । देश में वन्य प्राणी अभ्यारयणों, पार्को का निर्माण देश में अनेक स्थानों पर किया गया है । परन्तु देखा यह जा रहा है कि पार्को के निर्माण के आस-पास रहने वाले गावों के व्यक्तियों को शासन द्वारा निर्धरित मापदण्ड जो है, जिसका भुगतान प्रभावित परिवारो को पुनर्वास के रूप में सरकार ने देने का प्रावधान किया है क्या यह राशि उन परिवारो के पुनर्वास के लिए पर्याप्त है।